समन्वय अनुबंध

(सामंजस्य करार)

(Memorandum of Understanding)

शिवाजी विद्यापीठ, हिंदी प्राध्यापक परिषद

विमल निवास प्लॉटलं. 13 त्रिमूर्ति कॉलनी,

सांगली.

(पंजीकरण-महाराष्ट्र/433/14)

और

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (स्वायत्त)

2130, ई, ताराबाई पार्क,

कोल्हापूर

पिन 416003

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

महाराष्ट्र MAHARASHTRA ◐ 2020 ◐ XZ 865181

दस्ताचा प्रकार/अनुच्छेद क्र.- शैक्षणिक कार्यासाठी दस्त नोंदणी करणार आहेत का ?- होय/नाही

नोंदणी होणार असल्यास दुय्यम निबंधक कार्यालयाचे नाव -

मिळकतीचे वर्णन-

मोबदला रक्कम रुपये

मुद्रांक विकत घेणाऱ्याचे नाव व पत्ता - प्राचार्य विवेकानंद कॉलेज कोल्हापूर

दुसऱ्या पक्षकाराचे नाव

हस्ते असल्यास त्यांचे नाव - लेकम ह. जोमा

मुद्रांक शुल्क रक्कम रुपये १००।—

मुद्रांक विक्री नोंद वही अनुक्रमांक ४५१८ दिनांक- 18 AUG 2021

मुद्रांक विकत घेणाऱ्याची सही

सौ. शारदा अशोक पोवार (स्टँप व्हेंडर)
२२५१, ई, का।। बावडा, कोल्हापूर.
परवाना क्र. मु. वि. अ. / करवीर/९४
दि. १७/७/१९९४
कोड नं. २६०१०४८

TREASURY OFFICE KOLHAPUR

16 JUL 2021

STAMP HEAD CLERK
TREASURY OFFICE,
KOLHAPUR. (M.S.)

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (स्वायत्त)
2130, ई, ताराबाई पार्क, कोल्हापूर, पिन 416003

भारत जैसे विशाल और बहुभाषी राष्ट्र को अपनी अस्मिता, राष्ट्रीय एकता और अंतर्प्रांतीय व्यवहार के लिए राष्ट्रभाषा की नितांत आवश्यकता है। सदियों से हिंदी यह कार्य करती आई है। शिवाजी विद्यापीठ, हिंदी प्राध्यापक परिषद, सांगली यह संस्था महाराष्ट्र में राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार प्रसार करनेवाली एक समाजसेवी परिषद है। इस परिषद व्दारा वार्षिक अधिवेशन, राष्ट्रीय संगोष्ठी, पुनर्रचित पाठ्यक्रम कार्यशाला संयोजन के लिए

VIVEKANAND COLLEGE ESTD. JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

बौद्धिक सहयोग दिया जाता है। भविष्य में व्याख्यानमाला सम्मेलन, परिसंवाद साप्ताहिक कोर्स, वक्तृत्व, लेखन, पठन, कथन, मंचन आदि प्रतियोगिताओं के आयोजन का भी मानस है।

संक्षेप में शिवाजी विद्यापीठ, हिंदी प्राध्यापक परिषद राष्ट्रीय सांस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षिक प्रवृत्तियों का संचालन करनेवाले तथा राष्ट्रीय एकात्मता का सराहनीय कार्य कर रही हैं। यह परिषद हिंदी है हम इस नारे को जनमानस पर अंकित कर रही है।

अतः शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद्, सांगली और विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर के बीच दिनांक 1 जनवरी, 2022 को पांच सालों (सन 2022 से 2026) के लिए समन्वय सामंजस्य करार) हो रहा है। इस अनुबंध का उद्देश्य निम्नानुसार स्पष्ट किया गया है।

क) नीति :

1. हिंदी भाषा साहित्य और संस्कृति का संवर्धन करना। राष्ट्रभाषा हिंदी को अधिकाधिक प्रसारित करना, जिससे राष्ट्रभाषा का स्वरूप सर्तनाह हो ।
2. राष्ट्रभाषा हिंदी का विकास देश की प्रादेशिक भाषाओं में संपर्क और उनके विकास के साथ संपन होता रहे ।
3. आहिंदी भाषी क्षेत्र में हिंदी को प्रसारित कर राष्ट्रभाषा हिंदी के महत्व को स्थापित करना ।
4. अन्याय प्रदेशों में प्रादेशिक भाषाओं का स्थान और सम्मान बना रहे तथा अंतप्रांतीय व्यवहार के लिए राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रयोग हो ।
5. राष्ट्रभाषा हिंदी के व्दारा राष्ट्रीय एकात्मता निर्माण हो ।

ख) उद्देश्य

1. राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार करना तथा भारतीय संविधान के 17 वे भाग के 343 वी पारा में निर्देशित राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी के प्रसार और विकास में सहायता प्रदान करना |
2. राजभाषा हिंदी की पढ़ाई का प्रचार करना।
3. भारत में प्रचलित सभी भाषाओं, विशेष रुप में मराठी भाषा के व्दारा हिंदी के विकास में सहायता प्रदान करने का प्रयास करना तथा भारत में प्रचलित सभी भाषाओं का हिंदी के साथ पारस्परिक संबंध के लिए मराठी आदि भाषाओं की पढ़ाई का प्रावधान करना। उनके माध्यम से सभी पोषक प्रवृत्तियों को चलाना तथा राष्ट्रीय एकात्मता को पुष्ट करना ।

ग) कार्यक्रम :

1. 14 सितंबर हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान एवं विविध प्रतियागिताओं का आयोजन
2. राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन
3. हिंदीभिमुख कार्यशाला का आयोजन
4. 10 जनवरी विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन

प) नियम:

1. स्वखर्च से एक दूसरे का सहयोग देना
2. समन्वय अनुबंध की बातों का आवश्यकतानुसार नूतनीकरण करना।

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

3. पूर्व लिखित सूचना के साथ दोनों में से किसी भी संस्था को अनुबंध समाप्ति का अधिकार रहेगा।

4. परस्पर सम्मति से निर्धारित कालावधि के बाद फिर से पाँच सालों के लिए यह समन्वय अनुबंध जारी रखा जा सकता है। इसके लिए निश्चित तारीख तथा लिखित अनुमति की आवश्यकता रहेगी।

घ) समन्वय :

1. प्रस्तुत समन्वय अनुबंध के जिम्मेदार शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद के अध्यक्ष/सचिव तथा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य तथा विभाग प्रमुख रहेंगे।

2. प्रस्तुत समन्वय अनुबंध कानूनन प्रावधानों के साथ दो प्रतियों में कार्यान्वित हो रहा है। उपर्युक्त दिनांक और वर्षानुसार प्रस्तुत समन्वयक अनुबंध पर निम्नांकित समन्वयक अधिकारियों के हस्ताक्षर से अमल हो रहा है।

डॉ. आरिफ शोकत महात
हिंदी विभागाध्यक्ष
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर
विभागाध्यक्ष,
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,
कोल्हापूर.

डॉ. सुनिल बापू बनसोडे
अध्यक्ष, शिवाजी विद्यापीठ हिंदी
प्राध्यापक परिषद

शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद
पंजीकरण महाराष्ट्र/ 433/14

डॉ. आर. आर. कुंभार
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज
कोल्हापूर

VIVEKANAND COLLEGE
ESTD. JUNE 1964
KOLHAPUR-416003.